सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

RNI No: UPHIN/2023/86769

www.swarajindianews.com

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

मूल्यः ₹02

स्वराज इंडिया

सांध्यकालीन समाचार पत्र

कानपुर, गुरुवार, 24 जुलाई, 2025
वर्षः 02, अंकः 198, पृष्ठः 8+4

कांग्रेस का ओबीसी भागीदारी न्याय सम्मेलन कल

इनसाइड बीवी को रोकने की हर मिन्नत नाकाम रही... » Pg06

» Pg 12

स्कूल वाहन हादसे का शिकार हुआ तो प्रबंधन जिम्मेदार

अब कैसे बचोगे जनाब!

प्रदेशभर के विद्यालयों को परिवहन आयुक्त ने दी ये चेतावनी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के परिवहन आयुक्त ने प्रदेशभर के विद्यालयों को चेतावनी जारी किया है। उन्होंने साफतौर पर कहा है कि स्कूल वाहन की फिटनेस अगर खराब होगी तो स्कूल प्रबंधन जिम्मेदार होगा। इससे पहले प्राइवेट वाहन स्वामी अटैचमेंट स्कीम के तहत स्कूल के बच्चों को लाते और ले जाते थे। अब स्कूल प्रबंधन वाहन स्कूल का नहीं है, कह बच नहीं सकेंगे। स्कूलों को निदेर्शों के अनुपालन की रिपोर्ट जमा करनी होगी।

परिवहन आयुक्त ब्रजेश नारायण सिंह ने प्रदेशभर के मान्यता प्राप्त विद्यालयों के प्रधानाचार्यों व प्रबंधकों को कठोर चेतावनी पत्र भेजा है। पत्र में लिखा है कि विद्यार्थी जिस भी वाहन से नियमित रूप से स्कूल आते-जाते हैं, यदि वह दुरुस्त नहीं है और सड़क दुर्घटना होती है तो विद्यालय के प्रबंधक और प्रधानाचार्य जिम्मेदार होंगे। पत्र में ये भी लिखा है कि स्कूल संचालक यह कहकर नहीं बच सकते कि वाहन स्कूल का नहीं था। हादसा होने पर स्कूल प्रबंधक और प्रधानाचार्य पर आपराधिक-प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी। सभी एआरटीओ हर माह स्कूली वाहनों की नियमित समीक्षा करके रिपोर्ट भेजेंगे।

स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर योगी सरकार सख्त : प्रदेश के लाखों स्कूली बच्चों की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करना योगी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी के मद्देनजर परिवहन विभाग द्वारा 1 से 15 जुलाई तक पूरे प्रदेश में स्कूली वाहनों (स्कूल बस, वैन आदि) का विशेष जांच अभियान चलाया गया। अभियान के बाद परिवहन आयुक्त ने सभी आरटीओ-एआरटीओ को निर्देश दिए हैं कि वे स्कूल वाहनों की मासिक समीक्षा करें।

सियासी गर्मी तेज

डॉ. दिनेश शर्मा व केशव मौर्य का विपक्ष पर हमला

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। सावन के मौसम में जहां किसान बारिश की आस में हैं, वहीं यूपी की सियासत में बयानबाजी की झड़ी लगी हुई है। राज्यसभा सांसद और पूर्व डिप्टी सीएम डॉ. दिनेश शर्मा ने लंबी चुप्पी तोड़ते हुए विपक्ष पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि विपक्ष संसद को चर्चा का मंच नहीं, प्रदर्शन का अड्डा बना रहा है। ये लोग जनता की गाढ़ी कमाई का उपहास कर रहे हैं।

आरजेडी नेता तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि बिहार में कांग्रेस का वजूद खत्म हो गया है और विपक्ष हार के डर से मैदान छोड़ने की तैयारी में है। वहीं डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए लिखा कि कांग्रेस अब ट्रंप से गिनती सीख रही है। पच्चीस बार सीजफायर का रट्टा लगाकर बल्ले-बल्ले कर रही है।

मथुरा थरार्या

गोवर्धन में सनसनीखेज डकैती और हत्या, आभूषण और वाहन भी लूटे

शिक्षा गुरु विनोद कृष्ण दास की गला दबाकर हत्या, लाखों की लूट

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

मथुरा। जहां भजन-कीर्तन की गूंज होनी चाहिए थी, वहां चीख-पुकार गूंज गई। मथुरा के गोवर्धन थाना क्षेत्र के राधाकुंड कस्बे में हुई ये वारदात हर किसी के रोंगटे खड़े कर रही है। बुधवार की देर शाम एक अधेड़ साधु विनोद कृष्ण दास पांडे की लाश उनके घर में हाथ-पैर बंधी हालत में मिली, और ठाकुर जी समेत लाखों की कीमत के आभूषण गायब थे।

जय श्री कृष्ण की जगह गूंजा हे राम : 56 वर्षीय विनोद पांडे, जो उत्तराखंड से आए थे और 25 सालों से राधाकुंड में भजन-साधना कर रहे थे, अब अपराध की भेंट चढ़ गए। जिस कॉलोनी में कभी मृदंग बजता था, अब वहां फॉरेंसिक टीम की फ्लैशलाइट चमक रही है। उनका शव उनके ठाकुर जी के सामने किचन में उल्टा पड़ा मिला। शव की हालत देख साफहै कि यह कोई सामान्य चोरी नहीं थी। यह श्रद्धा के चेहरे पर तमाचा था। बदमाशों ने ठाकुर जी की मूर्ति और लाखों के आभूषण भी समेट लिए। स्थानीय बाबा विष्णु दास जब शाम को पहुंचे तो आंखें फटी की फटी रह गईं। सूचना मिलते ही एसएसपी श्लोक कुमार से लेकर थाना प्रभारी रवि त्यागी तक सभी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने दावा किया है कि चार टीमें बनाई गई हैं और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा रहे हैं।

यूथ ओलंपिक में जेएमडी वर्ल्ड स्कूल के होनहारों का जलवा

» स्विमिंग और स्केटिंग में जीते 11 पदक

» स्विमिंग में तीन गोल्ड, स्केटिंग में तीन ब्रॉन्ज, छात्रों ने किया क्षेत्र का नाम रोशन

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। 19 जुलाई को आयोजित यूथ ओलंपिक स्विमिंग एवं स्केटिंग प्रतियोगिता में जे एम डी वर्ल्ड स्कूल, कानपुर के छात्र-छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 11 पदक अपने नाम किए। प्रतियोगिता में स्कूल के प्रतिभागियों ने न केवल उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन किया बल्कि पूरे आयोजन में दर्शकों के आकर्षण का केंद्र भी बने रहे।स्विमिंग प्रतियोगिता 'द स्पोर्ट्स हब' में सम्पन्न हुई, जिसमें विद्यार्थियों ने बेहतर प्रदर्शन किया। स्केटिंग में कुल 3 ब्रॉन्ज मेडल स्कूल के खाते में आए।

विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती मलिका अरोरा ने सभी विजयी प्रतिभागियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। साथ ही स्पोर्ट्स विभागाध्यक्ष श्री विकास विक्टर, स्केटिंग कोच श्री राहुल जी एवं स्विमिंग कोच श्री नंद किशोर त्यागी को भी उनके मार्गदर्शन और योगदान के लिए सम्मानित किया गया।जेएमडी वर्ल्ड स्कूल की इस उपलब्धि ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया कि खेलों के क्षेत्र में भी छात्र शैक्षणिक उपलब्धियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रहे हैं। स्विमिंग में कुल 3 गोल्ड, 1 सिल्वर एवं 4 ब्रॉन्ज मेडल स्कूल के नाम रहे।वहीं स्केटिंग प्रतियोगिता गौरव मेमोरियल इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित हुई, जिसमें छात्रों ने यह उपलब्धियाँ अर्जित कीं।

अंडर-19 वर्ग:
अपर्णा दीक्षित – ब्रॉन्ज मेडल
अंडर-16 वर्ग:
श्राविका अवस्थी – 2 गोल्ड मेडल
आद्या गुप्ता – 1 गोल्ड मेडल
अर्जुन अवस्थी – ब्रॉन्ज मेडल
अंडर-11 वर्ग:
आद्यांश गुप्ता – 1 सिल्वर एवं 1 ब्रॉन्ज मेडल
गौरान्शी व्यास – ब्रॉन्ज मेडल
अंडर-15 वर्ग:
आराध्या दीक्षित – ब्रॉन्ज मेडल
अंडर-12 वर्ग:
तिश्या सिंह – ब्रॉन्ज मेडल
अंडर-8 वर्ग:
तृशा सिंह – ब्रॉन्ज मेडल

सरसौल में बारिश बनी बिजली संकट का कारण, 12 घंटे से आपूर्ति ठप,ग्रामीणों ने लगाया लापरवाही का आरोप

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। सरसौल में देर रात हुए फाल्ट के बाद बारिश के कारण 12 घंटे से अधिक समय से बिजली आपूर्ति ठप है। इससे उमस भरी गर्मी में ग्रामीण परेशान हैं और खेती व पढ़ाई प्रभावित हो रही है।

कानपुर में नरवल के सरसौल पावर हाउस क्षेत्र में बिजली फाल्ट की समस्या लगातार बनी हुई है, जिससे ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बुधवार रात को एक बार फिर फाल्ट होने से क्षेत्र की बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई। करीब बारह घंटे से अधिक समय बीत जाने के बाद भी गुरुवार सुबह तक बिजली सप्लाई शुरू नहीं हो पाई थी।उमस भरी गर्मी में रातभर बिजली न आने से ग्रामीण बेहाल रहे। ग्रामीणों ने बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए बताया कि फाल्ट के कारण धान की फसल की सिंचाई नहीं हो पा रही है। बच्चों की पढ़ाई बाधित हो रही है और उनके व्यापार को भी नुकसान हो रहा है। बिजली कर्मचारियों के मुताबिक, अधिक बारिश के कारण फाल्ट हुआ है और मरम्मत का काम तेजी से चल रहा है। उन्होंने जल्द से जल्द सप्लाई शुरू करने का आश्वासन दिया है।

रमईपुर में बाबा ब्रह्मदेव आश्रम पर भूमाफियाओं का हमला

बच्चों और पीठाधीश्वर के साथ की अभद्रता, समाधि स्थल पर मूर्ति लगाने का प्रयास

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर के रमईपुर जामू मोड़ पर स्थित प्राचीन बाबा ब्रह्मदेव सिद्ध आश्रम में बीती रात एक सुनियोजित षड्यंत्र के तहत अराजकता फैलाने की कोशिश की गई। आश्रम में संचालित गुरुकुल में अध्ययनरत लगभग 40 से 45 बच्चों की मौजूदगी में कुछ भूमाफिया प्रवृत्ति के लोगों ने हमला बोला।सूत्रों के मुताबिक, रात करीब 11 से 11:30 बजे के बीच अज्ञात उपद्रवी ईंट, मौरंग, गिट्टी व निर्माण सामग्री के साथ आश्रम के ठीक सामने स्थित समाधि स्थल पर पहुंचे। उनके साथ बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर जी की दो मूर्तियाँ भी थीं। उन्होंने आश्रम के बच्चों के साथ गाली-गलौज और अभद्र व्यवहार किया और मारपीट पर उतारू हो गए।

आश्रम संचालक व पीठाधीश्वर पं. गुरुदत्त त्रिपाठी ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिस पर बिधनू थाने की पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए पाँच उपद्रवियों को हिरासत में ले लिया, जबकि बाकी मौके से फरार हो गए। पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ जारी है।भागते समय उपद्रवी आश्रम संचालक को जान से मारने और आश्रम खाली करने की धमकी भी देकर गए। घटना के बाद से आश्रम के पीठाधीश्वर व गुरुकुल के बच्चे दहशत में हैं।घटना की जानकारी मिलते ही बजरंग दल और आरएसएस के कार्यकर्ता और क्षेत्रीय जनता भारी संख्या में आश्रम पहुंची, जिससे क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया है। लोगों ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

प्रशासन के लिए चुनौती

इस घटना ने धार्मिक स्थलों की सुरक्षा और भूमाफिया के बढ़ते हौसलों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। बजरंग दल के प्रांत सुरक्षा प्रमुख आशीष त्रिपाठी ने बताया कि स्थानीय पुलिस द्वारा तत्काल कार्रवाई जरूर की गई, लेकिन अब जरूरत है कि प्रशासन आश्रम और गुरुकुल की सुरक्षा सुनिश्चित करे और साजिश रचने वालों को चिन्हित कर कठोर कार्रवाई करे।

उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाएं सामाजिक ताने-बाने और धार्मिक सहिष्णुता पर गंभीर आघात हैं। हालांकि मौके पर भारी पुलिस बल मौजूद रहा । इस मामले में कई लोग हिरासत में लिए गए हैं जिनसे पूछताछ की जा रही है।

दिवंगत शिक्षिका की मदद के लिए आगे आया टीएससीटी का कारवां

पचास लाख रुपए से की जा रही है पीड़ित परिवार की आर्थिक सहायता

सीमा गौर बेटी के साथ (फाइल फोटो)।

» अवनीश यादव, स्वराज इंडिया

» स्व. सीमा गौर की स्मृति में उत्तमपुर स्कूल में किया गया पौधारोपण

» 15.5 रुपए प्रति शिक्षक से 10 करोड़ में 20 परिवारों की हो रही मदद

बिल्हौर (कानपुर)। बुधवार को ककवन विकासखंड का प्राथमिक विद्यालय उत्तमपुर ऐतिहासिक पलों का साक्षी बना। स्कूल में शिक्षिका के पद पर कार्यरत रहीं स्व. सीमा गौर की स्मृति में उनके विद्यालय में टीचर्स सेल्फकेयर टीम (टीएससीटी) कानपुर नगर ने विद्यालय तथा ब्लॉक संसाधन केंद्र ककवन में पौधारोपण किया। जिसमें कानपुर मंडल संयोजक जितेंद्र कुमार यादव ने भी शिरकत की। मंडल संयोजक जितेंद्र कुमार ने बताया कि प्रदेश संस्थापक विवेकानंद आर्या के आह्वान पर प्रत्येक दिवंगत शिक्षक की स्मृति में पौधारोपण किया जाएगा। जिससे शिक्षक की स्मृतियां लंबे समय तक संजोकर रखी जा सकती हैं। यहां तैनात रही शिक्षिका सीमा गौर की कैंसर की बीमारी से बीते नवंबर माह में मृत्यु हो गई थी और इस माह होने वाले सहयोग में उनके परिवार को (टीएससीटी) सदस्यों द्वारा पचास लाख रुपए का सहयोग किया जा रहा है। जिला मीडिया प्रभारी अनूप कुमार यादव ने बताया कि किसी भी शिक्षक या शिक्षिका के जाने से उसके परिवार की तो अपूर्णनीय क्षति होती है किंतु विद्यालय के बच्चों का भी नुकसान होता है। एक अच्छा और योग्य शिक्षक उनके विद्यालय से हमेशा के लिए चला जाता है।

दिवंगत शिक्षिका के परिवार द्वारा स्कूल को दिया गया एलईडी टेलीविजन।

उनकी स्मृतियों को उस विद्यालय में जीवंत रखने के लिए स्व. सीमा गौर (प्राथमिक विद्यालय उत्तमपुर ककवन) की माता श्रीमती उर्मिला देवी और भाभी श्रीमती आकांक्षा के साथ स्व. सीमा गौर की पांच वर्षीय पुत्री चहक सिंह जिसे यह भी नहीं पता कि उसकी मां उसे छोड़कर कहां चली गई है, ने विद्यालय के छात्रों के लिए लोहे की अलमारी तथा एक एलईडी टेलीविजन सेट और छोटे बच्चों को बैठने के लिए कुर्सियां दान स्वरूप दी।

प्राथमिक विद्यालय की इंचार्ज प्रधानाध्यापिका शमसुन आरा ने विद्यालय में उनके योगदान की चर्चा की तो सभी की आंखे नम हो गईं। जिला संयोजक सुनील कुमार वर्मा ने बताया कि प्रत्येक माह 11 दिन में प्रदेश टीएससीटी के लगभग चार लाख सदस्य अपने बीच के असमय गए साथियों के परिवार को ऑनलाइन ट्रांसफर करके 20 परिवारों को 10 करोड़ रुपए की सहायता राशि देते हैं। अब तक 356 दिवंगत सदस्यों के परिवार को लगभग 148 करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की जा चुकी है। प्रदेश के इतिहास मे टीएससीटी प्रतिमाह अपने ही रिकॉर्ड को तोड़ती हुई आर्थिक सहयोग करके एक नया अध्याय लिखती जा रही है। इसके लिए टीएससीटी के सभी शिक्षक,सदस्य बधाई के पात्र हैं। इस अवसर पर मंडल संयोजक जितेंद्र कुमार जिला संयोजक कानपुर नगर सुनील कुमार वर्मा, जिला मीडिया प्रभारी अनूप कुमार यादव सहित जिला बिल्हौर ब्लाक संयोजक आलोक कुमार, सह संयोजक सौरभ कटियार, ब्लॉक ककवन के सक्रिय साथी पंकज पाल, अभिषेक यादव, शैलेन्द्र राजपूत, वीरेंद्र यादव, नीलम देवी, दिशा कुशवाहा, महेश कुमार, सीता देवी, अमित बाजपेई, निशात, नीलम गौतम, सुनीता, दीपा सहित अनेक शिक्षक, शिक्षिकाएं मौजद रही।

आम आदमी की मदद के लिए भी हाथ आगे बढ़ाए

टीएससीटी संगठन ने असमय मृत्यु की गोद में समाने वाले शिक्षक परिवार की मदद करने के साथ साथ दुघर्ज़टना में घायल शिक्षकों की मदद और शिक्षक परिवार की बेटियों के विवाह में कन्यादान की योजना भी हाल ही में शुरू कर चुका है। जिसकी हर तरफ सराहना हो रही है। साथ ही गैर सरकारी कमिज़्यों को जोड़ने के लिए एनएससीटी नामक संगठन भी खड़ा किया जा चुका है। यह संगठन भी अभी अपने सफर पर चल दिया है। आने वाले दिनों में इसकी रफ्तार देखने को मिलेगी।

पांच बरस की चहक ने किया सबको भावुक

स्कूल परिसर में आयोजित कार्यक्रम में दिवंगत शिक्षिका की पांच साल की वह अभागी बेटी चहक भी मौजूद थी। जिसके सिर से मां का ममत्व छिन चुका है और पिता पहले ही अपनी नजरें फेर चुके हैं। ऐसे समय में टीएससीटी का जो दुलार उसे पचास लाख रुपए की बैंक एफडी के रूप में मिलने जा रहा है उसे महसूस करने की अभी उसमें समझ भी नहीं है। लेकिन मौके पर समुदाय के जो लोग उपस्थित थे वे इसे महसूस करके अपनी आंखें नम कर रहे थे।

मदद करने का अलग अंदाज है टीएससीटी का

जिस तरह से मात्र पांच वर्षों के सफर में टीएससीटी ने चार लाख सरकारी कर्मचारियों का संगठन खड़ा करके असमय मृत्यु के आगोश में समाने वाले प्रत्येक शिक्षक परिवार को करीब पचास लाख रुपए की आर्थिक सहायता दिए जाने की पहल शुरू की है वह एक मिसाल है। और बूंद बूंद से घड़ा भरने की कहावत को पूरी तरह चरितार्थ करती है।

उत्तमपुर स्कूल में मृतक शिक्षिका की स्मृति में पौधारोपण करते टीएससीटी के पदाधिकारी। ब्लॉक मुख्यालय पर पौधारोपण के अवसर पर उपस्थित पदाधिकारी।

सम्पादकीय

रिश्तों में खामोशी लीलती लाखों जिंदगी

विश्व स्वास्थ्य संगठन की वह रिपोर्ट चौंकाती है कि दुनिया में हर छठा इंसान अकेला है। दुनिया के करोड़ों लोग टूटे रिश्तों व संवाद से विलग होकर नितांत खामोशी का जीवन जी रहे हैं। सही मायनों में इंसान के भीतर की ये खामोशी लाखों जिंदगियां लील रही है। विडंबना यह है कि इस संकट का सबसे ज्यादा शिकार युवा हो रहे हैं। निश्चय ही जीवन की जटिलताएं बढ़ी हैं। कई तरह की चुनौतियां सामने हैं। पीढ़ियों के बीच का अंतराल विज्ञान व तकनीक के विस्तार के साथ तेज हुआ है। सोच के भौतिकवादी होने से हमारी आकांक्षाओं का आसमान ऊंचा हुआ है। लेकिन यथार्थ से साम्य न बैठा पाने से हताशा व अवसाद का विस्तार हो रहा है। जिसके चलते निराशा हमें एकाकीपन की ओर धकेल देती है। कहने को तो सोशल मीडिया का क्रांतिकारी ढंग से विस्तार हो रहा है। लेकिन इसकी हकीकत आभासी है। हो सकता है किसी व्यक्ति के हजारों मित्र सोशल मीडिया मंचों पर हों, लेकिन यथार्थ के जीवन में व्यक्ति बिल्कुल एकाकी होता है। आभासी मित्रों का कृत्रिम संवाद हमारी जिंदगी के सवालों का समाधान नहीं दे सकता। निश्चित रूप से कृत्रिम रिश्ते हमारे वास्तविक रिश्तों के ताने-बाने को मजबूत नहीं कर सकते। दरअसल, लोगों में यह आम धारणा बलवती हुई है कि जिसके पास पैसा है तो वह सबकुछ कर सकता है। जिसके चलते उसने आस-पड़ोस से लेकर कार्यस्थल पर सीमित पहुंच बनायी है। यही वजह है कि हमारे इर्द-गिर्द की भीड़ और ऑनलाइन जिंदगी के हजारों मित्रों के बावजूद व्यक्ति एकांत में जीने के लिये अभिशप्त है। सही बात ये है कि लोग किसी के कष्ट और मन की पीड़ा के प्रति संवेदनशील व्यवहार नहीं करते। हर तरफ कृत्रिमताओं का बोलबाला है। हमारे मिलने-जुलने वाले त्योहार भी अब दिखावे व कृत्रिम सौगातों की भेंट चढ़ गए हैं। हमें उन कारकों पर मंथन करना होगा, जिनके चलते व्यक्ति निजी जीवन में लगातार एकाकी होता जा रहा है।

विडंबना यह है कि कृत्रिमताओं के चलते कहीं न कहीं हमारे शब्दों की प्रभावशीलता में भी कमी आई है। कालांतर व्यक्ति लगातार एकाकी जीवन की ओर उन्मुख होना लगा है। हमारे संयुक्त परिवारों का बदलता स्वरूप भी इसके मूल में है। पहले घर के बड़े बुजुर्ग किसी झटके या दबाव को सहजता से झेल जाते थे। सब मिल-जुलकर आर्थिक व सामाजिक संकटों का मुकाबला कर लेते थे। शहरों की महंगी जिंदगी और कामकाजी परिस्थितियों का लगातार जटिल होना संकट को गहरा बना रहा है। उन परिवारों में यह स्थिति और जटिल है, जहां पति-पत्नी दोनों कामकाजी हैं और बच्चे हॉस्टलों व बोर्डिंग स्कूल में रह रहे हैं। धीरे-धीरे यह एकाकीपन अवसाद तक पहुंचता है।

नैतिकता और अभिव्यक्ति की आज़ादी के यक्ष प्रश्न

क्षमा शर्मा

देश के संविधान में अभिव्यक्ति की आजादी, नैतिकता और समता जैसे आदर्श सिद्धांत निहित हैं। संवैधानिक मूल्यों की रक्षा व इनकी भावना के अनुसार, न्यायपालिका गंभीर मामलों को लेकर अपने निर्णय देती आयी है। खासकर व्याख्या के लिए अंतिम उम्मीद है। लेकिन अगर वही हमें अपने विचारों की अभिव्यक्ति पर खुद ताला लगाने को कह दे, तो सुरक्षा पाने कहां जाएं?

माननीय सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया बेहद दिलचस्प व्यक्ति हैं। सिर्फ़ इसलिए नहीं कि वे हिंदी फ़िल्म निर्देशक तिग्मांशु धूलिया के बड़े भाई हैं- जिन्होंने गैंग्स ऑफ़ वासेपुर, पान सिंह तोमर, साहिब बीवी और गैंगस्टर आदि फिल्में बनाई- बल्कि इसलिए कि उनमें आपको एक नेकनीयत गुस्सा दिख सकता है, जो उनके फ़ैसलों में झलकता है। जिनमें बुराई को सज़ा व अच्छाई को राहत मिलती दिखती है, या फिर, सबसे महत्वपूर्ण है अपनी पसंद-नापसंदगी की आजादी का विचार, जो संविधान में दिया मूलभूत अधिकार है, वह खामोशी से उनके फैसलों में खुद को दोहराता है।उन्हें नायक में तबदील किए जाने के खतरे के बावजूद, वे नायक बनने की काबिलियत रखते हैं। हम जैसे लोगों ने इस अप्रैल में उनके द्वारा मद्रास हाईकोर्ट के दिए एक फैसले को बरकरार रखने की सराहना की थी, जिसमें एक दुष्ट माता-पिता को अपनी ही बेटी-दामाद की हत्या के लिए दोषी ठहराया गया ('एक क्रूर और घिनौना जुम...'गहरे तक जड़ें जमाए जातिवाद की कुरूप सच्चाई')। अप्रैल में ही, धूलिया ने सवाल किया था कि महाराष्ट्र की एक नगरपालिका में उर्दू को लेकर इतना पूर्वाग्रह क्यों कायम है ('यह पूर्वाग्रह इस धारणा से उपजा कि उर्दू भारत में विदेशी है...यह सोच गलत है'); और 2022 में, उन्होंने कर्नाटक सरकार के उस फैसले के खिलाफ एक विभाजित फैसला दिया, जिसमें मुस्लिम छात्राओं को हिजाब पहनने से रोक दिया गया था ('यह पसंद का मामला होना चाहिए...अंतरात्मा, आस्था एवं अभिव्यक्ति का मामला') वैसे सुप्रीम कोर्ट में अन्य 'सितारे' भी हैं - पिछले हफ्ते, हरियाणा के जस्टिस सूर्यकांत, जो जल्द अगले मुख्य न्यायाधीश बनने वाले हैं,उन्होंने देश के युवा दिलों को खुशी से भर दिया, जब अशोका विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अली महमूदाबाद के मामले में हरियाणा के पुलिस कर्मियों को फटकार लगाई - पुलिस ने अली के सभी डिवाइस जब्त कर लिए थे और पिछले 10 वर्षों में उनकी विदेश यात्राओं का ब्योरा मांगते हुए, उनके कथित अपराध (ऑपरेशन सिंदूर की ब्रीफिंग हेतु एक मुस्लिम महिला को प्रवक्ता चुनने पर सरकार को निशाना बनाती सोशल मीडिया पोस्ट्स) की जांच का दायरा बढ़ाने पर।ये वही जस्टिस सूर्यकांत हैं, जिन्होंने मार्च में कॉमेडियन रणवीर अल्लाहबादिया मामले में नाना विशेषण ('घृणित' और 'अपमानजनक') दिए थे, जब रणवीर ने मां-बाप को लेकर भौंडा मज़ाक किया था। तब, जस्टिस सूर्यकांत ने अभिव्यक्ति की आज़ादी और अश्लीलता के बीच सदा एक रेखा कायम रखने की नसीहत दी थी। मई में कहा कि सोशल मीडिया का उपयोग करने में दिशा-निर्देश ज़रूरी हैं। निश्चित रूप से, हमारे संस्थापक पुरखों ने युगों-युगों तक रहने वाली इस दुविधा के बारे में सोचा होगा। इसलिए उन्होंने अनुच्छेद 19 (1) में दी गई अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की गारंटी पर कुछ अंकुश लगाते हुए, फौरन अगले अनुच्छेद 19 (2) में कहा कि अभिव्यक्ति की आजादी संपूर्ण नहीं, और भारत की संप्रभुता एवं अखंडता, जन व्यवस्था या नैतिकता के हित में इस पर उचित अंकुश होने चाहिए।अंतिम वाक्यांश के बारे में, सवाल है कि क्या सर्वोच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश की नैतिकता की धारणा आम नागरिक की शालीनता से ज्यादा अहमियत रखती है और इन दोनों पर आखिरी फ़ैसला कौन लेगा। अक्सर, समुदायों के रीति-रिवाज या चाल-चलन क़ानून की किताबों से बहुत ऊपर होते हैं।

आत्मीय संवाद से रिश्तों की गरिमा की रक्षा

विकृतियों का क्रास

डा0 जगदीप सिंह

आज यदि पारिवारिक व सामाजिक रिश्तों में हिंसक प्रवृत्तियां विकसित हो रही हैं तो कहीं न कहीं संवादहीनता उसके मूल में है। एक-दूसरे के मनोभावों को समझकर और संवेदनशीलता के साथ टकराव को टाला जा सकता है।भारतीय समाज में सामंती सोच खत्म नहीं हुई है – इसका एक उदाहरण हाल ही में गुरुग्राम में देखने को मिला। दस जुलाई को एक राज्यस्तरीय टेनिस खिलाड़ी बेटी की उसके ही पिता ने गुस्से में आकर गोली मारकर हत्या कर दी। कारण? बेटी की कमाई पर आश्रित रहने वाले पिता को यह ताना सुनना पड़ता था कि वह अपनी बेटी से कमाकर खा रहा है।

पिता के अनुसार, आस-पड़ोस के लोग उसे ताना देते थे कि वह बेटी से एकेडमी बंद नहीं करवा सका। इसी कुंठा और सामाजिक दबाव में उसने अपनी ही संतान की जान ले ली।किताबों में यह सच पढ़ाया जाता है कि माता-पिता अपने बच्चों को आगे बढ़ते देखना चाहते हैं। बच्चों की हर उपलब्धि मां-बाप के लिए गर्व का विषय होती है। मगर यहां स्थिति उलट है—बेटी ने न केवल अपने पिता के सपनों को साकार करते हुए एक सफल टेनिस खिलाड़ी के रूप में पहचान बनाई, बल्कि आगे चलकर एक टेनिस अकादमी भी शुरू की। यही सफलता उसके लिए काल बन गई, क्योंकि पिता और आस-पड़ोस की दकियानूसी सोच उसकी राह का रोड़ा बन गई।यह केवल एक रिश्ते की हत्या नहीं है। आज के समय में पति-पत्नी, मां-बच्चे, गुरु-शिष्य जैसे रिश्तों के बीच की संवेदनशीलता और आत्मीयता भी कमजोर पड़ती जा रही है—वहीं आत्मा से उपजे आदर्शों की वह धरती, जहां संबंधों के फूल खिला करते थे, अब मुरझा रही है।

हम जिस समाज की कल्पना करते हैं—जहां रिश्ते स्नेह, सम्मान और सहयोग की बुनियाद पर टिके होते हैं — वहां आज नफरत, ईर्ष्या और अपूर्ण आकांक्षाओं की घातक छाया फैलती जा रही है।आज की भौतिकतावादी दौड़ ने समाज में ऐसी विकृत मूल्य प्रणाली को जन्म दिया है, जिसमें व्यक्ति किसी भी कीमत पर आगे बढ़ना चाहता है—चाहे वह नैतिकता की हत्या करके ही क्यों न हो। अपनी छवि को %पाक-साफ% बनाए रखने की होड़ और दूसरों की सफलता से उपजी ईर्ष्या ने इंसानी सोच को इतना विषाक्त कर दिया है कि रिश्तों और जिम्मेदारियों की गरिमा ही नष्ट होती जा रही है।अगर गुरुग्राम में एक पिता अपनी ही बेटी की सफलता से जलकर उसे गोली मार देता है, तो वहीं एक कस्बाई शहर में एक स्कूल प्राचार्य को इसलिए गोली मार दी जाती है क्योंकि वह छात्रों को अनुशासन का पाठ पढ़ा रहा था — उन्हें सही ढंग से कपड़े पहनने, बाल संवारने और नशे से दूर रहने की सलाह दे रहा था।यह उदाहरण दर्शाते हैं कि कैसे विकृत मूल्यों की बलि वेदी पर आज न जाने कितने रिश्ते, आदर्श और जीवन मूल्य रोज़ कुर्बान हो रहे हैं। माहौल में एक अजीब किस्म की हिंसा और असहिष्णुता घर कर गई है। समाज जैसे संवेदना-विहीन होता जा रहा है —जहां न शिक्षा का सम्मान है, न रिश्तों की पवित्रता की कोई जगह बची है।

चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी महासंघ कानपुर देहात की नई कार्यकारिणी घोषित

भारत सिंह संरक्षक और जिला अध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह मनोनीत

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। उत्तर प्रदेशीय चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी महासंघ की प्रांतीय कार्य समिति के निर्णयानुसार जनपद कानपुर देहात इकाई की नई जिला कार्यकारिणी की घोषणा कर दी गई है। इस नई कार्यकारिणी को आगामी द्विवार्षिक कार्यकाल हेतु वैधानिक मान्यता प्रदान की गई है और इसे द्विपक्षीय वार्ता, पत्राचार एवं संघीय कार्यों के लिए अधिकृत किया गया है।नई कार्यकारिणी में विभिन्न विभागों के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को शामिल किया गया है। इस क्रम में भारत सिंह को जिला संरक्षक, महेन्द्र प्रताप सिंह पाल को जिलाध्यक्ष तथा आशुतोष कुमार को जिलामंत्री के पद पर

मनोनीत किया गया है।घोषित कार्यकारिणी को तुरंत प्रभाव से मान्यता दी गई है। प्रदेश अध्यक्ष रामराज दुबे और प्रदेश महामंत्री सुरेश सिंह यादव द्वारा संयुक्त रूप से यह आदेश जारी किया गया।सभी मनोनीत पदाधिकारी अब आगामी दिनों में अपने-अपने विभागीय स्तर पर संघीय गतिविधियों का संचालन करेंगे, और कार्यकारिणी का विस्तार कर उसकी सूचना मुख्यालय को प्रेषित करेंगे। अध्यक्ष महेंद्र पाल सिंह ने कहा कि नई कार्यकारिणी की घोषणा से जिले के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों में नवीन ऊर्जा का संचार हुआ है। कर्मचारी हितों की लड़ाई को संगठित रूप से आगे बढ़ाने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

कार्यकारिणी में शामिल अन्य प्रमुख नाम

श्री राजकुमार – कार्यवाहक अध्यक्ष
श्री रविन्द्र यादव – वरिष्ठ उपाध्यक्ष
राजेन्द्र कुमार शुक्ला, उमेश यादव, मनोज कुमार श्रीवास्तव, श्री खुशीराम, धर्मराज – उपाध्यक्ष
इरशाद – संयुक्त मंत्री
उमेश चन्द्र – संगठन मंत्री
अरविन्द गौतम – कोषाध्यक्ष
चन्द्रभान पाल – प्रचार मंत्री

मिश्रिख सांसद अशोक रावत के प्रयास से बिल्हौर व शिवराजपुर को मिली आधार कैंप की सौगात

» 28 जुलाई से 8 अगस्त तक चलेगा विशेष आधार शिविर

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। क्षेत्रीय जनता के लिए एक बड़ी राहत की खबर सामने आई है। सांसद मिश्रिख अशोक कुमार रावत के विशेष प्रयासों से डाक विभाग द्वारा बिल्हौर और शिवराजपुर में विशेष आधार कैंप का आयोजन किया जा रहा है। यह कैंप 28 जुलाई 2025 से 8 अगस्त 2025 तक आयोजित किया जाएगा। यह आधार शिविर दो प्रमुख स्थानों पर लगेगा पहला, ब्लॉक परिसर बिल्हौर,और दूसरा, राम सहाय इंटर कॉलेज बैरी शिवराजपुर में। दोनों स्थानों पर सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक आधार से जुड़े सभी कार्य किए जाएंगे, जिनमें नया आधार बनवाना, नाम,पता,मोबाइल नंबर संशोधन, बायोमेट्रिक अपडेट आदि शामिल हैं।

बीवी को रोकने की हर मिन्नत नाकाम रही..थककर पति ने दी अपनी जान

» बिल्हौर के अरौल में दिल दहला देने वाली इस घटना ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। अरौल के खाड़ामऊ गांव में बुधवार को एक पति ने अपनी ज़िंदगी का सबसे आख़िरी फ़ैसला तब लिया, जब उसकी पत्नी, सास और साला उसे झगड़े के बाद थाने चलने की धमकी दे रहे थे। 32 वर्षीय लवकुश की मिन्नतें भी काम न आईं, जब सब थाने को निकले तो वह खुद मौत के रास्ते पर चल पड़ा। सड़क पर सामने से आ रहे ट्रक के नीचे कूद गया दिल दहलाने वाली ये घटना सीसीटीवी में क़ैद हुई। जिससे इलाके में सनसनी फैला गई।

जानकारी के मुताबिक मंगलवार शाम लवकुश का पत्नी मोहिनी से किसी बात पर झगड़ा हुआ। आरोप है कि नाराज़ पत्नी ने मायके फोन करके मां और भाई को बुला लिया। बुधवार सुबह तीनों उसके घर पहुंच गए और कहासुनी के बाद मुकदमा दर्ज करने की बात कहकर थाने जाने लगे। लवकुश डर गया, बार-बार हाथ जोड़कर कहता रहा, थाने मत आओ, सब मिलकर सुलझा लेंगे। मगर किसी ने उसकी एक न सुनी।फिर क्या उसने मौत को गले लगा लिया।

लवकुश की फ़ाइल फोटो

पति की मौत पर बिलखती पत्नी को संभालती रहीं महिलाएं

13 सेकंड में बिखर गई पूरी जिन्दगी

पास की दुकान में लगे कैमरे में दर्ज 13 सेकंड के वीडियो में दिख रहा है कि कैसे लवकुश थाने जा रहे परिजनों को मनाता है, कुछ कहता है और फिर अचानक सामने से आते ट्रक के नीचे कूद पड़ता है। आसपास खड़ी छात्राएं इस भयावह दृश्य को देखकर सहम गईं,और चीख पुकार मच गई

बेटे की मौत पर पिता का आरोप- बहू देती थी रोज धमकी

लवकुश के पिता किशनलाल ने बहू मोहिनी और उसके मायके पक्ष पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि बेटा

आए दिन मानसिक प्रताड़ना झेल रहा था। उसे इतना तोड़ दिया कि उसने जीने की बजाय मरना चुन लिया, पिता का यही दर्द झलकता रहा।

पत्नी मौके से मां और भाई के साथ फ़रार

ख़बर ये भी है कि लवकुश के ट्रक के नीचे आते ही पत्नी, मां और भाई वहां से भाग गए।

पुलिस ने ट्रक और चालक को हिरासत में लिया है। इंस्पेक्टर जनार्दन यादव ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिवार की तहरीर पर जांच के बाद कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बच्चों की जान से खिलवाड़ स्कूलों में दौड़ रहे अवैध वाहन

» बिना फिटनेस, परमिट और सुरक्षा के ढोए जा रहे मासूम स्कूल प्रशासन बना मूकदर्शक।

» आरटीओ विभाग की मिलीभगत या लापरवाही? गाड़ियां बेखौफ सड़कों पर भर रहीं फर्राटा?

सचिन सिंह चौहान/ स्वराज इंडिया

कानपुर देहात (माती)। जिले के सरवनखेड़ा, गजनेर, मोहाना, और नवीपुर क्षेत्र के कई प्राइवेट स्कूलों में हर दिन बच्चों की जान से खुला खिलवाड़ हो रहा है। बिना फिटनेस, परमिट, पीली नंबर प्लेट, फर्स्ट एड बॉक्स, और अग्निशमन यंत्र के वाहन धड़ल्ले से मासूमों को स्कूल ले जा रहे हैं और अफसरशाही आंख मूंदे बैठी है। स्कूल प्रशासन सिर्फ पैसों के लालच में बोलेरो, टेंपो,

ओमनी और पुरानी वैन जैसी कबाड़ हो चुकी गाड़ियों को लगाकर बच्चों के भविष्य से सीधा मज़ाक कर रहा है।

कुछ वाहनों के नंबर प्लेट तक टूटे हैं, ताकि कोई पहचान ही न कर सके। और जो पंजीकरण नहीं है, वे फिर भी बिना रोकटोक स्कूलों के बाहर खड़े मिल जाएंगे। आरटीओ महकमा अभियान के दौरान दिखावे की छापेमारी करता है, मगर रोज़मर्रा की जांच गायब है। कहीं कोई रिकॉर्ड नहीं कि वाहन

नियम हैं, मगर पालन कौन करे!?

(1) परमिट और पीली प्लेट अनिवार्य
(2) ड्राइवर के पास लाइसेंस व यूनिफॉर्म जरूरी
(3) फर्स्ट ऐड बाक्स, फायर सेफ्टी, जीपीएस अनिवार्य
(4) स्टैंडर्ड सीटिंग और बच्चों की सुरक्षा व्यवस्था जरूरी

में स्पीड गवर्नर है या लक्ष लगा है। वाहनों में बैग रखने की रैक हो या आग बुझाने की व्यवस्था कुछ भी नहीं।लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि किसी भी स्कूल वाहन में ये मानक नहीं पाए जाते।गजनेर चौराहे पर हुई एक हल्की कार्रवाई के बाद कुछ दिन सुधार जरूर हुआ, लेकिन अब फिर से हालात पुराने ढर्रे पर लौट चुके हैं। अब देखना यह है कि क्या परिवहन विभाग और पुलिस प्रशासन वाकई हरकत में आता है या फिर बच्चों की जान जोखिम में डालने का यह गोरखधंधा यूं ही चलता रहेगा?

शौचालय बना शो-पीस: कागजों पर सफाई

» ज़मीनी हालात गंदगी से बेहाल!

» जिठरौली पंचायत में सामुदायिक शौचालय 6 महीने से बंद, टूटी टंकी, जंग खाया पंप, नहीं बिजली-नहीं पानी

» डीएम और सीडीओ के निर्देश को किया जा रहा नजरअंदाज़, अफसरों की चुप्पी से ग्रामीण बेहाल

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। स्वच्छ भारत मिशन की लाखों की योजनाएं गांव में धूल फांक रही हैं। कानपुर देहात की सरमनखेड़ा विकासखंड के ग्राम पंचायत जिठरौली में बना सामुदायिक शौचालय पिछले छह महीने से बदहाल हालत में बंद पड़ा है।

बिना पानी, बिजली, समर पंप और सीवर सिस्टम के यह शौचालय कागजों पर चालू

दिखाया गया है, जबकि धरातल पर वहां सिर्फ गंदगी, टूटी टंकी और टूट चुका चबूतरा ही बचा है।ग्रामीण खुले में शौच जाने को मजबूर हैं, जबकि सरकार की ओर से इसकी देखरेख हेतु स्वयं सहायता समूहों को हर महीने 9000 रुपए तक का बजट दिया जाता है।दो महीने पहले जिलाधिकारी आलोक कुमार सिंह और सीडीओ लक्ष्मी एन. ने सभी सामुदायिक शौचालयों को संचालित कर प्रमाणित कराने का निर्देश भी दिया था, मगर जिठरौली पंचायत में आज तक कोई सुनवाई नहीं हुई।स्वराज इंडिया न्यूज की पड़ताल के बाद जब डीपीआरओ विकास पटेल से बात की गई तो उन्होंने खुद को मीटिंग में बताया, वहीं जिला परियोजना निदेशक वीरेंद्र सिंह ने मामले की जानकारी से इनकार करते हुए जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

बीएलओ और सुपरवाइजरों को मिला चुनावी प्रशिक्षण

» त्रुटिरहित मतदाता सूची के लिए चार बैचों में प्रशिक्षण सत्र

फॉर्म 6, 7 और 8 की विस्तृत जानकारी दी गई, पहचान पत्र जमा कराने के निर्देश

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार भोगनीपुर तहसील में बीएलओ (बूथ लेवल अधिकारी) और सुपरवाइजरों को चार चरणों में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यह प्रशिक्षण जिला निर्वाचन अधिकारी के आदेशानुसार, तहसील सभागार में आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम को भाग संख्या के आधार पर चार बैचों में विभाजित किया गया

23 जुलाई (प्रथम बैच)–भाग संख्या 1 से 87 तक – सुबह 1030 से दोपहर 12:30 तक

23 जुलाई (द्वितीय बैच)–भाग संख्या 88 से 164 तक – दोपहर 2 : 00 से 4 :00 तक

24 जुलाई (तृतीय बैच)– भाग संख्या 165 से 250 तक – सुबह 10 : 30 से दोपहर 12 :30 तक

24 जुलाई (चतुर्थ बैच)– भाग संख्या 251 से 331 तक – दोपहर 2 :00 से 4 :00 तक

आज पहले और दूसरे बैच का प्रशिक्षण उपजिलाधिकारी/निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी देवेंद्र सिंह की अध्यक्षता में संपन्न कराया गया। प्रशिक्षण में IIDEM दिल्ली से प्रशिक्षित अनुज कुमार गुप्ता द्वारा फॉर्म 6, 7, 8 की तकनीकी जानकारी दी गई। बीआरसी अमित कुमार ने सभी बीएलओ से कहा कि वे अपना पहचान पत्र जल्द से जल्द जमा करें, ताकि आईडी कार्ड बनाए जा सकें। उपजिलाधिकारी देवेंद्र सिंह ने स्पष्ट निर्देश दिए कि अब मतदाता सूची में त्रुटिरहित सुधार किया जाए, और 18 वर्ष पूर्ण कर चुके सभी पात्र मतदाताओं का नाम जोड़ने में लापरवाही न हो। नाम हटाने के मामलों में प्रमाण सुनिश्चित किया जाए। इस अवसर पर तहसीलदार प्रिया सिंह, आरके परशुराम वर्मा, रामकिशोर पाल, सीमा देवी, शैलजा सचान समेत बड़ी संख्या में बीएलओ, सुपरवाइजर और एईआर अधिकारी उपस्थित रहे।

झाड़ियों में तड़प रही थी जिंदगी, किसान परिवार बना फरिश्ता

» खाद डालने पहुंचे पिता-पुत्र को पुलिया के पास झाड़ियों से आई मासूम की रोने की आवाज

» ग्रामीणों में आक्रोश, बेटी बचाने वाली सरकार से पूछा इस नवजात की गलती क्या थी?

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात (रसूलाबाद)। जनपद के लालगांव गांव में एक किसान परिवार ने मानवता की मिसाल पेश करते हुए झाड़ियों में फेंकी गई नवजात बच्ची की जान बचा ली। यह हृदय विदारक दृश्य उस समय सामने आया जब किसान रामबाबू और उनका बेटा राहुल खेत में खाद डालने गए थे।

पुलिया के पास से नवजात के रोने की आवाज सुनकर राहुल ने झाड़ियों की ओर दौड़ लगाई और वहां देखा कि एक नवजात बच्ची बिना कपड़ों के पड़ी थी। उन्होंने तुरंत परिजनों को सूचना दी।मां कुसमा देवी, चाची शारदा देवी और बहन रजनी मौके पर पहुंचीं और बच्ची को झाड़ियों से बाहर निकाला। साफ-सफाई कर उसे घर लाया गया और प्राथमिक देखभाल की गई। इस साहसी व संवेदनशील कदम से पूरे गांव में किसान परिवार की सराहना हो रही है। कुसमा देवी ने बताया कि बच्ची के माता-पिता का अभी तक कुछ पता नहीं चल पाया है।

गांव में इस घटना को लेकर चर्चा और आक्रोश दोनों हैं। ग्रामीणों ने कहा फ़सरकार बेटियों को बचाने और पढ़ाने की बात करती है, लेकिन समाज में अब भी कुछ दरिंदे हैं जो एक नवजात को मरने के लिए झाड़ियों में छोड़ जाते हैं। यह बेहद शर्मनाक है।ग्रामीणों ने इस अमानवीय कृत्य की निंदा करते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

गांवों में वीरान पड़े सचिवालय राजपुर ब्लॉक में विकास दम तोड़ता दिखा

स्वराज इंडिया की पड़ताल में खुला पोल अफसरों की बेरुखी ने बर्बाद की शासन की मंशा, सचिवालय बंद, योजनाएं सिर्फ फाइलों में गांव-गांव में मायूस जनता, खाली पंचायत भवन

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। उत्तर प्रदेश सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों को योजनाओं का लाभ गांव में ही दिलाने के लिए हर ग्राम पंचायत में मिनी सचिवालय बनवाए और पंचायत सहायकों की तैनाती की, लेकिन राजपुर ब्लॉक की हकीकत कुछ और ही बयां करती है।

स्वराज इंडिया की ग्राउंड रिपोर्टिंग के तहत जब टीम सबसे पहले अफसरिया ग्राम पंचायत पहुंची तो सचिवालय बंद मिला। ग्रामीणों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि सरकारी योजनाएं सिर्फ कागजों तक ही सीमित हैं, धरातल पर कुछ नहीं।

इसके बाद टीम शाहजहांपुर ग्राम पंचायत पहुंची, वहां भी बंद दरवाज़े और सन्नाटा मिला। लोगों ने बताया कि न तो पंचायत सहायक दिखते हैं और न ही किसी अधिकारी का निरीक्षण हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि लाखों रुपये खर्च कर पंचायत भवन तो बन गए, लेकिन उसका कोई उपयोग नहीं हो रहा। आज भी सरकारी कार्यों के लिए ब्लॉक और तहसील के चक्कर काटने पड़ते हैं। जिम्मेदार अफसरों की लगातार अनदेखी से शासन की मंशा को गहरा झटका लग रहा है। ग्रामीण सेवा केंद्र बनकर रह गए हैं बंद पड़े भवन न आवेदन हो रहे, न प्रमाणपत्र बन रहे। एडीओ पंचायत राजपुर, कल्याण सिंह से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन संवाद नहीं हो सका।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादक: अनूप कुमार RNI No.: UPHIN/2023/86769 | Email: swarajindia2023@gmail.com | Mob: 7800009853, | Website: www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

चंद्रशेखर आज़ाद की जयंती पर गूंजा वंदे मातरम् वीरता को किया नमन

» बड़ा दरबार गेस्ट हाउस में आयोजित हुआ प्रेरणादायक कार्यक्रम — वक्ताओं ने सुनाए आज़ाद के साहसिक किस्से

» नाम आज़ाद, घर जेलखाना बचपन से ही अंग्रेजों को ललकारने वाला वह अद्भुत क्रांतिकारी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। ब्रम्ह राष्ट्रीय चेतना परिषद के तत्वावधान में महान क्रांतिकारी चंद्रशेखर आज़ाद की 119वीं जयंती पर जैनपुर के बड़ा दरबार गेस्ट हाउस में एक भावुक और प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आज़ाद के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई और उनके क्रांतिकारी योगदानों को याद किया गया।

मुख्य अतिथि आचार्य भूपति तिवारी (सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य, जुगल देवी इंटर कॉलेज) ने कहा कि चंद्रशेखर आज़ाद ने काकोरी कांड व लाहौर षड्यंत्र जैसे अभियानों में साहसिक भागीदारी निभाई और अंग्रेजी सत्ता की नींव हिला दी।

मुख्य वक्ता सेवानिवृत्त क्षेत्राधिकारी आर.के. अग्निहोत्री ने बताया कि चंद्रशेखर आज़ाद बचपन में ही अंग्रेजों के कोड़े झेलते हुए अब कभी पकड़ में नहीं आऊंगा का संकल्प लेकर निकल पड़े थे, जिसे उन्होंने इलाहाबाद के अल्फ्रेड पार्क में खुद को गोली मारकर पूरा किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे एडवोकेट रविंद्रनाथ मिश्र ने चंद्रशेखर के जीवन से जुड़ा प्रसंग साझा करते हुए कहा — जब जज ने नाम पूछा, तो आज़ाद ने कहा — नाम आज़ाद, घर जेलखाना। हर कोड़े पर वो वंदे मातरम् चिल्लाते रहे!

आयोजन में रचना त्रिपाठी, राकेश शुक्ल, अशोक पांडे, प्रेमचंद्र त्रिपाठी, राहुलदेव अग्निहोत्री, मुनेश शुक्ला, रवींद्र शुक्ल, रुचि त्रिपाठी, विवेक तिवारी सहित दर्जनों गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि और युवा मौजूद रहे।

अब गांव में भी तकनीक की दस्तक पशुपालकों को वर्चुअल ट्रेनिंग

» मलासा जन सेवा केन्द्र पर हुआ लाइव सेशन सेक्स शार्टेड सीमन से दूध उत्पादन को मिलेगा बढ़ावा

» जूनोटिक बीमारियों से सतर्कता जरूरी प्रो. बघेल ने किसानों को किया जागरूक

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। मलासा विकासखंड के जन सेवा केंद्र पर आज पशुपालकों को वर्चुअल माध्यम से आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी गई।

इस मौके पर पशुधन प्रसार मंत्री प्रो. एस. पी. सिंह बघेल ने ऑनलाइन संवाद के ज़रिए सीधे किसानों को संबोधित किया। उन्होंने सेक्स शार्टेड सीमन तकनीक का जिक्र करते हुए बताया कि यह दुग्ध उत्पादन बढ़ाने में बेहद कारगर है और अब इसकी कीमतों में भारी कटौती की गई है, जिससे यह तकनीक किसानों के लिए किफायती और सुलभ हो गई है।

प्रो. बघेल ने किया सावधान

जूनोटिक बीमारियों से बचें

उन्होंने चेताया कि ब्रुसेलोसिस और एंथ्रेक्स जैसे जूनोटिक रोगों का खतरा तेजी से बढ़ रहा है, ऐसे में समय पर पशु टीकाकरण और देखरेख बेहद आवश्यक है। यह पहल सिर्फ संवाद नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर जागरूकता लाने का ठोस प्रयास है। केंद्र प्रभारी श्याम सिंह ने बताया कि यह कार्यक्रम किसानों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से जोड़ने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। कार्यक्रम में गांव के अनेक प्रमुख ग्रामीण व जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे, जिनमें शिक्षक वीरेंद्र विक्रम सिंह, आशुतोष सिंह, पूर्व प्रधान रणजीत सिंह, युवा प्रधान छोटे सिंह, पुनीत सिंह, सत्तन सिंह, बउआ साउंड मलासा, चंद्रभान सिंह, राजू सिंह आदि शामिल रहे।

सरकारी भ्रष्टाचार और इंजीनियरिंग की लापरवाही का स्मारक बन चुका त्रिवेणी सदन

» डील हुई विकास की, डीलर निकले विनाश के सौदागर

स्मार्ट सिटी के नाम पर स्मार्ट लूट का धधकता मॉडल!

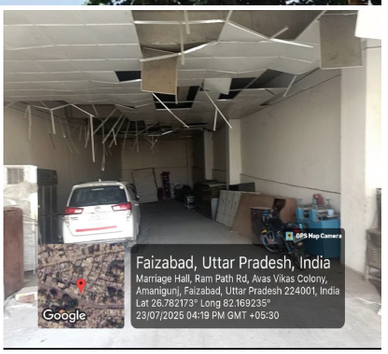

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। जिस इमारत को अयोध्या की स्मार्ट सिटी पहचान का ब्रांड एंबेसडर बताया गया, वही त्रिवेणी सदन आज स्मार्ट लूट और सरकारी मिलीभगत की जीती-जागती मिसाल बन चुका है। रामपथ पर अमानीगंज जलकल के सामने बहुमंजिला त्रिवेणी सदन में जब 18 मार्च को आग लगी तो न फायर अलार्म बजे, न पानी गिरा, न सेफ्टी डक्ट काम आया सिर्फ घोषणाएं धू-धू कर जलती रहीं।

जब बिल्डिंग की तीसरी मंजिल पर आग लगी तो त्रिवेणी सदन का फायर सिस्टम 'राम नाम सत्य' हो गया। जलकल से पाइप खींचकर पानी लाया गया यानी एकदम देसी अंदाज में आधुनिक भवन को बचाया गया। स्मार्ट सिटी के नाम पर बना यह भवन बिना पानी की टोटी, बिना वेंटिलेशन डक्ट और बिना समुचित ड्रेनेज के खड़ा है। लिफ्ट जल चुकी है, बेसमेंट में मोटर लगाकर बारिश का पानी निकाला जाता है, और कहने को यहां देशभर के श्रद्धालु आते हैं।

त्रिवेणी सदन अब श्रद्धालुओं के लिए विश्रामगृह नहीं, बल्कि सरकारी भ्रष्टाचार और इंजीनियरिंग की लापरवाही का स्मारक बन चुका है। अगली बार जब आप यहां डॉरमेट्री में रुकें तो पानी की बोतल, टॉर्च और भगवान का नाम साथ लाना न भूलें क्योंकि सुविधा नहीं मिलेगी, सिर्फ सफाई।

डीलर निकले विनाश के सौदागर

सुखसागर हॉस्पिटैलिटी को पार्किंग, रेस्टोरेंट और संचालन सौंपा गया और बदले में त्रिवेणी सदन को दिया गया ﬂसुखविहीन सागर ! 82 दुकानों में से 60न्न बंद पड़ी हैं। दुकानदार किश्त नहीं दे रहे क्योंकि न पीने का पानी है, न सफाई का साधन। शौचालय छोड़कर पूरी इमारत में एक टोंटी तक नहीं। लोग झेल रहे हैं, और प्राधिकरण आंखें मूंदकर सर्टिफिकेट पर साइन कर रहा है।

त्रिवेणी में है त्रासदी, तिकड़ी में है तिकड़म

त्रिवेणी सदन असल में तीन स्तंभों पर टिका है झूठी घोषणा, घटिया निर्माण और मुनाफे का मकड़जाल। न डक्ट है, न हवा की राह, न पानी की निकासी सिर्फ फाइलों में पास, पब्लिक में फेल।

अब सवाल उठते हैं

–क्या बिल्डिंग पास कराने से पहले कोई फायर सेफ्टी ऑडिट हुआ?

–क्या सुखसागर नाम की कंपनी को ठेका देने में नियमों का पालन हुआ?

–किस इंजीनियर और किस अफसर ने इस 'बिना टोटी वाली' स्मार्ट बिल्डिंग को अप्रूव किया?

कागज़ी बंदिशों के बीच फिर लौट रहा पॉलीथीन माफिया!

» सावन की भीड़ में पिघल गई सरकारी सख्ती

» रामपथ से रिकाबगंज तक पॉलीथीन का बोलबाला

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। प्लास्टिक मुक्त भारत का सपना एक बार फिर कागज के पोस्टरों और सरकारी प्रेस नोट्स में दम तोड़ता दिख रहा है। राम की नगरी अयोध्या में सावन मास की रौनक के बीच पॉलीथीन पर प्रतिबंध की असली हकीकत बाजारों की ज़मीन पर साफ-साफ बिखरी पड़ी है पॉलीथीन की शक्ल में।

बता दे कि रामपथ, रिकाबगंज, नयाघाट, कपड़ा बाजार, सब्ज़ी मंडी, स्टेशन रोड हर गली, हर मोड़ पर दुकानदार बिना किसी डर के पॉलीथीन में सामान पैक कर रहे हैं। ग्राहक खुशी से थैला भर रहे हैं और नगर निगम की कार्यवाही... बस फोटो तक सीमित है।

रेड और सीज़ का खेल

नगर निगम कभी-कभार चेकिंग कर दिखावा कर लेता है दो दुकानों पर जुर्माना, एक प्रेस रिलीज़, और फिर सब शांत। अंदरखाने की बात यह है कि पॉलीथीन का पूरा सिंडिकेट जिंदा है थोक सप्लायर से लेकर फुटकर दुकानदार तक। और यह सिंडिकेट नगर निगम की आंखों के सामने से ही फ्री पास लेकर गुजरता है।

ग्राहक भी दोषी, लेकिन विकल्प कहां?

स्थानीय दुकानदार खुलकर कहते हैं कागज़ या कपड़े के थैले महंगे हैं, ग्राहक ज्यादा दाम नहीं देता, मजबूरी में पॉलीथीन देना पड़ता है। कुछ ग्राहक थैला लेकर आते हैं, लेकिन 100 में मुश्किल से 5।

असली गुनहगार कौन?

बात सिर्फ दुकानदारों की नहीं है। असली पॉलीथीन की खेप शहर में कहां से आती है? कौन है सप्लायर?

किसके संरक्षण में यह थैले बोरियों में भरकर दुकानों तक पहुंचते हैं? ये सवाल अभी भी फाइलों में सो रहे हैं।

समाधान सिर्फ ज़ोर से नहीं, ज़मीन से चाहिए

अगर वाकई पॉलीथीन पर लगाम लगानी है, तो सबसे पहले उन फैक्ट्रियों पर ताला लगाना होगा जो इसे बना रही हैं। साथ ही, नगर निगम को दिखावे की बजाय ज़मीनी स्तर पर वैकल्पिक थैलों को सस्ता और सुलभ बनाना होगा। नहीं तो यह 'प्लास्टिकबाज़ार' यूं ही चलता रहेगा हर सावन में, हर सीज़न में।

लखनऊ में जैव-चिकित्सकीय अनुसंधान को नई दिशा

» RMLIMS और CBMR के बीच ऐतिहासिक एमओयू

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ। डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ और सेंटर फॉर बायोमेडिकल रिसर्च के बीच गुरुवार को एक ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इसका उद्देश्य है ट्रांसलेशनल रिसर्च को बढ़ावा देना और बेंच से बेडसाइड तक की वैज्ञानिक यात्रा को गति देना।

यह करार RMLIMS के निदेशक प्रोफेसर सी.एम. सिंह और सीबीएमआर के निदेशक प्रोफेसर आलोक धवन के बीच संपन्न हुआ। इस अवसर पर अटल बिहारी वाजपेयी चिकित्सा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर संजीव मिश्रा और RMLIMS की कार्यकारी रजिस्ट्रार प्रोफेसर ज्योत्स्ना अग्रवाल भी मौजूद रहीं।

समझौते के तहत CBMR की अत्याधुनिक जैव-चिकित्सकीय अनुसंधान क्षमताओं और RMLIMS की क्लीनिकल विशेषज्ञता को एक साथ जोड़ा जाएगा, जिससे समाज के लिए व्यावहारिक और प्रभावी स्वास्थ्य समाधान विकसित किए जा सकें।यह करार भविष्य की स्वास्थ्य चुनौतियों से लड़ने के लिए वैज्ञानिकों और चिकित्सकों की नई पीढ़ी को तैयार करने की दिशा में एक मजबूत आधारशिला माना जा रहा है।

क्या बोले विशेषज्ञ

प्रो. सी.एम. सिंह ने इसे स्वास्थ्य क्षेत्र में एक युगांतकारी पहल करार देते हुए कहा, यह साझेदारी हमारी 'बेंच से बेडसाइड' की यात्रा में मील का पत्थर साबित होगी। इससे समाज को सशक्त स्वास्थ्य समाधान मिलेंगे।

वहीं प्रो. आलोक धवन ने कहा, यह सहयोग मरीज-केंद्रित अनुसंधान को गति देगा और आम जनता को इसका सीधा लाभ मिलेगा।

ABVMU के कुलपति प्रो. संजीव मिश्रा ने इस पहल को बेसिक साइंस और क्लीनिकल प्रैक्टिस के बीच सेतु बताते हुए कहा कि यह प्रदेश में अकादमिक उत्कृष्टता और अनुवादात्मक नवाचार के क्षेत्र में मील का पत्थर होगा।

एडीजी आलोक सिंह ने इटावा में महिला आरक्षियों से किया संवाद

» इटावा पुलिस लाइन पहुंचकर एडीजी ने सुरक्षा और सुविधाओं और इंतजामों पर की जानकारी

गोरखपुर पीएसी कैंपस में महिला सिपाहियों के हालिया हंगामे के बाद पूरे प्रदेश में सतर्कता

विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया

इटावा। गोरखपुर पीएसी कैंपस में महिला सिपाहियों के हालिया हंगामे के बाद पूरे प्रदेश में सतर्कता बढ़ा दी गई है। इसी कड़ी में तेजतर्रार और न्यायप्रिय छवि के कानपुर जोन एडीजी आलोक सिंह ने बुधवार को इटावा रिजर्व पुलिस लाइन स्थित आरटीसी बैरकों का औचक निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान एडीजी ने ट्रेनिंग ले रहे आरक्षियों को उपलब्ध सुविधाओं का बारीकी से जायज़ा लिया। उन्होंने पेयजल, विद्युत, पंखा, कूलर, शौचालय, स्नानागार सहित तमाम बुनियादी सुविधाओं को स्वयं चेक किया। इसके साथ ही उन्होंने भोजनालय, कंप्यूटर कक्ष, विद्यालय व बैरकों की सफाई व्यवस्था की भी पड़ताल की।निरीक्षण के पश्चात एडीजी आलोक सिंह ने महिला रिक्रूट आरक्षियों से सीधा संवाद करते हुए उनकी समस्याएं सुनीं और प्रशिक्षण व भविष्य की पुलिसिंग को लेकर उनसे बातचीत की। उन्होंने सुझावों को गंभीरता से लेते हुए तत्काल निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।इस मौके पर डीआईजी कानपुर रेंज हरीश चंदर, एसएसपी इटावा बृजेश श्रीवास्तव, जिलाधिकारी सुभ्रांत कुमार शुक्ल, तथा पुलिस लाइन व आरटीसी के अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।एडीजी का यह निरीक्षण न केवल प्रशासनिक सक्रियता को दर्शाता है, बल्कि महिला आरक्षियों के मनोबल को भी सशक्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

बाँदा में आवारा कुत्तों ने मासूम बच्चे को नोचकर मार डाला

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बाँदा । उत्तर प्रदेश के बाँदा जिले से एक रूह कंपा देने वाली घटना सामने आई है, जहाँ आवारा कुत्तों ने तीन साल के मासूम कृष्णा को निवाला बना लिया। यह दर्दनाक हादसा उस वक्त हुआ जब बच्चा पास की दुकान से बिस्किट लेने गया था।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आवारा कुत्तों ने अचानक बच्चे पर हमला कर दिया और गले का मांस नोच डाला, जिससे उसकी सांस की नली भी कट गई। घायल अवस्था में उसे अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।चार बहनों का इकलौता भाई था कृष्णा, जिसकी मौत ने पूरे परिवार को गहरे शोक में डुबो दिया है। गांव में मातम पसरा हुआ है और हर आंख नम है।घटना के वक्त गांव में कांवड़ यात्रा डीजे की तेज धुन के साथ निकल रही थी। गांव के लोग यात्रा देखने में व्यस्त थे और तेज संगीत के कारण कृष्णा की चीखें किसी को सुनाई नहीं दीं। कुत्ते बच्चे को खेतों की ओर घसीट ले गए

» कांवड़ के डीजे में दब गईं चीखें,

» बच्चा पास की दुकान से बिस्किट लेने गया था

और वहां उसे बेरहमी से नोचते रहे।पूरे प्रदेश में विकराल हो चुकी है आवारा कुत्तों की समस्याबाँदा ही नहीं, उत्तर प्रदेश के अधिकांश जिलों में आवारा कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। नौनिहालों की सुरक्षा पर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्ययोजना सामने नहीं आई है।स्थानीय लोगों का कहना है कि वे पहले भी कई बार नगरपालिका और प्रशासन को आवारा कुत्तों के खिलाफ शिकायत कर चुके हैं, लेकिन आज तक कोई सुनवाई नहीं हुई। अब इस हादसे ने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।अब देखना ये है कि मासूम कृष्णा की बलि के बाद क्या सरकार और स्थानीय निकाय जागेंगे, या फिर ऐसी घटनाएं यूं ही प्रदेश के किसी कोने में घटती रहेंगी?

निवेश प्रस्तावों की हकीकत जानने के लिए 14 जिलों की जांच कराई

40 फीसदी से ज्यादा समस्याएं तुरंत दूर कराईं

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। यूपी में नवंबर में होने वाले पांचवे भूमि पूजन समारोह में 10 लाख करोड़ की परियोजनाओं को धरातल पर उतारने की योजना है। इसके लिए इन्वेस्ट यूपी की टीम ने जिलों का दौरा किया।

वैश्विक निवेशक सम्मेलन में हुए एमओयू को धरातल पर उतारने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों की टीम मैदान में उतार दी गई है। इन्वेस्ट यूपी के सीईओ विजय किरण आनंद के निर्देश पर टीमों ने 14 जिलों का औचक निरीक्षण कर एमओयू में आने वाली दिक्कतों को समझा। इसके लिए जिलों में प्रस्तावित निवेश परियोजनाओं को 24 मानकों की कसौटी पर कसा गया। इस कवायद की खास बात ये रही कि 40 फीसदी से ज्यादा दिक्कतों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। नवंबर में भूमि पूजन समारोह का पांचवां संस्करण प्रस्तावित है। जनवरी-फरवरी में वैश्विक निवेशक सम्मेलन होना है। दोनों बड़े आयोजनों की जिम्मेदारी नोडल एजेंसी के रूप में इन्वेस्ट यूपी की है। इसे देखते हुए इन्वेस्ट यूपी तैयारी चुस्त-दुरुस्त करने में जुटा है। इसी कड़ी में अधिकारियों की टीम बनाकर 14 जिलों का औचक निरीक्षण कराया गया।

उद्योग बंधु की बैठकों का मांगा तीन महीने का रिकॉर्ड

सीईओ विजय किरण आनंद ने उद्योग बंधु की बैठक में उठने वाले मुद्दों को प्राथमिकता से दूर करने के निर्देश दिए हैं। इसके तहत सभी 75 जिलों से पिछले तीन महीने का उद्योग बंधु की बैठकों का रिकॉर्ड मांगा गया है। इसमें निवेशकों द्वारा उठाए गए मुद्दों पर की गई कार्यवाही का ब्योरा भी तलब किया गया है। उन्होंने उद्यमी एसोसिएशन के फीडबैक को गंभीरता से लेने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही नए निवेश प्रस्तावों को ब्योरा अलग से तैयार करने के निर्देश दिए हैं।

इन 24 बिंदुओं पर परखा जिलों का प्रदर्शन

उद्यमी मित्रों और जिला उद्योग केंद्रों के महाप्रबंधकों ने एमओयू को धरातल पर उतारने के लिए किस तरह से विश्लेषण किया। निवेशकों के साथ कितनी बैठकें कीं। निवेशकों के मुद्दों पर क्या किया। ऑफिस का वातावरण कैसा है। निवेशक ऑफिस में खुद को कितना सहज महसूस करता है। बैठने की व्यवस्थाएं क्या हैं। इन्वेस्ट यूपी की तैयारियों को कैसे पेश कर रहे हैं। कुल कितने लोगों ने निवेश को लेकर रुचि जाहिर की है। कितने एमओयू हुए हैं। कितने एमओयू भूमि पूजन समारोह-4.0 और कितने निवेश समारोह-5.0 के लिए हुए। कितने निवेशक पीछे लौट गए। कितनी इकाइयों का निर्माण और कितने में उत्पादन शुरू हो गया। औद्योगिक भूखंडों की स्थिति। ग्राम सभा की जमीनों की उपलब्धता, बीमार इकाइयों की संख्या और निवेश मित्र से जुड़े मुद्दे आदि।

'ये कांवड़िये नहीं गुंडे हैं' स्वामी प्रसाद मौर्य के बयान पर बवाल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी और पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य के कांवड़ियों पर दिए बयान पर बवाल मच गया है। विश्व हिंदू रक्षा परिषद ने उनके बयान पर आपत्ति दर्ज कराई और उनके लखनऊ स्थित घर का 'जलाभिषेक' करने की बात कही है। इसे देखते हुए बृहस्पतिवार को स्वामी प्रसाद के घर के बाहर बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मी तैनात कर दिए गए हैं। वहीं, सुबह विश्व हिंदू रक्षा परिषद के कई नेता स्वामी प्रसाद मौर्य के घर के बाहर हंगामा करने पहुंच गए। हालांकि, यहां पर पहले से ही पुलिसकर्मी तैनात हैं।

स्वामी प्रसाद मौर्य ने बयान दिया था कि भगवान शिव तो इतने भोले हैं कि उन्हें भोलेबाबा कहा जाता है और ये कांवड़िये उनके नाम पर तोड़फोड़ और उपद्रव कर रहे हैं। ये कांवड़िये नहीं बल्कि सत्ता संरक्षित गुंडे हैं। सरकार को इनके खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ऐसे लोगों के पोस्टर लगाए जाएंगे। स्वामी ने कहा कि कांवड़ियों के कारनामों की सारी रिकॉर्डिंग है। उन पर कार्रवाई की जानी चाहिए लेकिन नहीं की जा रही है क्योंकि ये कांवड़िये नहीं सत्ता संरक्षित गुंडे हैं। उनके इस बयान पर बवाल मच गया है।

» विश्व हिंदू रक्षा परिषद ने उनके बयान पर आपत्ति दर्ज कराई

» उनके घर का 'जलाभिषेक' करने की बात कही

बता दें कि इसके पहले सीएम योगी बयान दिया था कि कांवड़ यात्रा को बदनाम करने की साजिश रची जा रही है। जो लोग भी उपद्रव कर रहे हैं उनके पोस्टर लगाए जाएंगे और यात्रा समाप्त होने के बाद उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

तैयारी शुरू — ओबीसी के हक-अधिकार की मांग को लेकर भागीदारी न्याय सम्मेलन आयोजित होगा

कांग्रेस का ओबीसी भागीदारी न्याय सम्मेलन कल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली। राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा 25 जुलाई यानी कल दिल्ली में ओबीसी के हक-अधिकार की मांग को लेकर भागीदारी न्याय सम्मेलन आयोजित किया जायेगा। सम्मेलन में देशभर से ओबीसी वर्ग का प्रतिनिधित्व करने वाले कांग्रेसी नेता-कार्यकर्ता शामिल होंगे।

सम्मेलन का उद्घाटन पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे करेंगे। समापन कार्यक्रम में लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी शामिल होंगे। बीते बुधवार को कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में ओबीसी सलाहकार परिषद की बैठक हुई। इसमें हर राज्य से ओबीसी वर्ग के चुनिंदा नेता शामिल हुए। कर्नाटक के सीएम सिद्दारमैया की अध्यक्षता में हुई बैठक में झारखंड से पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, विधायक दल के नेता प्रदीप यादव, एआइसीसी की सचिव व पूर्व विधायक अंबा प्रसाद शामिल हुई।

» सम्मेलन का उद्घाटन पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे करेंगे

» देशभर से ओबीसी वर्ग का प्रतिनिधित्व करने वाले कांग्रेसी नेता-कार्यकर्ता शामिल होंगे

इस बैठक में ओबीसी के मुद्दों पर भावी कार्य योजना पर चर्चा हुई। पिछड़ा वर्ग में पार्टी की पैठ बढ़ाने को लेकर रणनीति बनी। इसके साथ ही निजी और आउटसोर्सिंग कंपनियों में आरक्षण को लेकर भी चर्चा हुई। झारखंड से पहुंचे नेताओं ने राज्य के मुद्दे उठाये। कांग्रेस विधायक दल नेता श्री यादव ने कहा कि अनुबंध पर नियुक्त कर्मचारियों के आरक्षण की मांग रखी। जाति जनगणना केवल आंकड़ा नहीं बल्कि भारतीय लोकतंत्र का नैतिक दायित्व है। 50 प्रतिशत की दीवार खत्म हो। एआइसीसी सचिव अंबा प्रसाद ने कहा कि पिछड़ी जाति के नेताओं को नेतृत्वकर्ता के रूप में खत्म करने की साजिश होती है। आगे बढ़ने नहीं दिया जाता है। हर जगह खिलाफ में लॉबिंग होती है। पूरा सिस्टम उसके खिलाफ लग जाता है। उन्होंने झारखंड के सात जिलों में ओबीसी को शून्य आरक्षण दिये जाने का मामला भी रखा।